Quadrant II - Notes

Course Code: BSBAEDUM07&08

Module Name: पाठशाला के पाठ्यक्रम में साहित्य के विविध रूप

Module No: 07

साहित्यिक विधा का अर्थ और परिचय :-

साहित्य विधा का अर्थ है, किस्म, वर्ग या श्रेणी, अर्थात विविध प्रकार की रचनाओं को उनके गुण, धर्मों के आधार पर अलग करना । साहित्य में विधा शब्द का प्रयोग, एक वर्गाकार के रूप में किया जाता है । विधाएँ कई तरह के हैं ; उदाहरण के लिए -- साहित्य की विधाएँ -कविता की विधाएँ, हाइकु --- निबंध, ललित कला, नाटक ,चलचित्र, आत्मकथा,पत्रकारिता, संस्मरण, कहानी आदि शामिल है|

साहित्यिक विधा के प्रकार :-

कहानी :-

कहानी गद्य साहित्य की सबसे लोकप्रिय मनोरंजक विधा है। मुंशी प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, अज्ञेय, कमलेश्वर, आदि कहानीकारों में लोकप्रिय हैं।

निबंध :-

निबंध गद्य की उस रचना को कहते हैं जिसमें लेखक किसी विषय पर अपने विचारों को सीमित ,सजीव, स्वच्छन्द, सुव्यवस्थित रूप से अभिव्यक्त करता है। हिन्दी निबन्धों का प्रारम्भ भारतेन्दु युग से माना जाता है।

नाटक :-

नाटक गद्य का वह कथात्मक रूप है, जिसे अभिनय, संगीत, नृत्य, संवाद आदि के माध्यम से रंगमंच पर अभिनीत किया जा सकता है।

जीवनी :-

गद्य साहित्य की इस विधा में किसी महान पुरुष के जीवन को व्यवस्थित रूप से रोषक शैली में प्रस्तुत किया जाता है। इस रचना को जीवनी कहा जाता है।

रेखाचित्र

यह गद्य साहित्य की आधुनिक विधा है।

संस्मरण :-

संस्मरण शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- सम् + स्मरण। इसका अर्थ है सम्यक स्मरण अर्थात् किसी घटना, किसी व्यक्ति अथवा वस्तु का स्मृति के आधार पर कलात्मक वर्णन करना संस्मरण कहलाता है।

आत्मकथा :-

गद्य की इस विधा के अन्तर्गत लेखक अपने जीवन वृत्त को व्यवस्थित रूप से रोचक ढंग से प्रस्तुत करता है।

रिपोर्ताज

'इसमें लेखक किसी भी आयोजन, घटना, संस्था आदि की कलात्मक ढंग से ब्यौरे-बार रिपोर्ट तैयार करके जो प्रस्तुतीकरण करता है; उसे ही रिपोर्ताज कहते हैं।

साक्षात्कार :-

इस विधा में भेंटकर्ता किसी महान व्यक्ति के मन और जीवन में प्रश्नों के द्वारा झाँककर उसके आन्तरिक दृष्टिकोण को पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत करता है।

आलोचना :-

आलोचना का अर्थ है-किसी रचना को उचित प्रकार परख कर उसके गुण और दोषों की समीक्षा करना और उसके विषय में अपने विचार प्रस्तुत करना।

डायरी:-

डायरी में लेखक उन घटनाओं का वर्णन करता है जो उसके जीवन में घटित होती हैं।

उपन्यास :-

उपन्यास कथा का वह रूप है जिसमें जीवन का विशद चित्रण होता है |

उपयुक्त स्पष्टीकरण से ज्ञात होता है साहित्य की विधाएं कौन-सी हैं |

हिंदी ,पाँचवी कक्षा की पाठ्यपुस्तक में साहित्यिक विधाएँ:-

साहित्यिक विधा	पाठ के नाम
कहानी	१.सफलता का मंत्र ,२. चिड़िया उड़ गयी,३. गोवा ४. साहसी राजू
नाटक	१.मजा आ गया
जीवनी	१.चन्द्रशेखर आज़ाद ,२. भाऊ साहेब बांदोडकर
आत्मकथा निबंध	१.मै साइकिल हूँ **१.गोवा,2.मीरामार** तट

हिंदी, कक्षा छठी की पाठ्यपुस्तक में साहित्यिक विधाएँ:-

साहित्यिक विधा	**पाठ के नाम**
कहानी	१. अंगुलिमाल
संस्मरण	१.यह दिन याद रखें
नाटक /संवाद	१.हमारा घर ,२. कपड़े की दुकान ३.बातचीत .४.शीलंग से फ़ोन,डॉक्टर ५. यात्रा की तयारी , ६. प्रदर्शनी
जीवनी	१.ईश्वरचंद्र विद्यासागर

पद्य	१.फूल- दिनेश कुमार ,२.तितली - नर्मदा प्रसाद खरे ,३.रेंदेर ,४.हाथी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना ,५. चिट्ठी - प्रकाश मनु ,६.बढ़े चलो - द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी
निबंध	गोवा में चक्रवात
चित्र कथा	१.एक व्यर्थ की शंका २.गधा और सियार
आत्मकथा	१.कहानी काजू के पेड़ की
पत्र	१.जयपुर से पत्र

सारांश :-

साहित्यिक विविध रूपों को जाना | जैसे:- कहानी, निबंध, नाटक, जीवनी आदि |

गोवा राज्य में द्वितीय भाषा के रूप में पांचवी और छठी की हिंदी पाठ्यपुस्तक के अंतर्गत साहित्यिक विधाओं जैसे:- कहानी, कविता, नाटक, पत्र आदि का अध्ययन किया | छात्रों के हिंदी भाषा विकास के लिए साहित्यिक विधाएं किस तरह महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं, इसका अध्ययन किया |